पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (पीएफसीसीएल) (पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी) पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, "ऊर्जानिधि", 1, बाराखम्बा लेन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110001 फैक्स : 011 - 23456170

डेस्कटॉप कम्प्यूटर के प्रोक्योरमेंट के लिए निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) स्टेट्समेन हाउस के 7वें तल ('ए' विंग), 9वें तल('ए' विंग) एवं 13वें तल पर स्थित पीएफसीसीएल के कार्यालय स्थान के लिए डेस्कटॉप कम्प्यटर के प्रोक्योरमेंट हेत् ई—बोली आमंत्रित की जाती है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 19 दिसम्बर 2016 है। विस्तृत विवरण के लिए वेबसाइट www.pfcclindia.comपर हेड 'नया क्या है' व टीसीआईएल के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://www.tcil-india electronictender.com देखें।



निविदा सूचना				
एअर इंडिया सात (7) ए320 एनईओ	विमानों तक की ड्राई लीज़ के लिए निविदा आमंत्रित			
करती है।				
निविदा संख्या	ईडी (ई)—एआई / ए320 न्यू / लीज़ / ईएनक्यू—02			
निविदा तिथि	23 नवम्बर 2016			
निविदा का विषय	सात (7) नए एयरबस ए320 एनईओ विमानों की ड्राई लीज़िंग			
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	22 दिसम्बर 2016 को 14:30 बजे तक (आईएसटी)			
एवं समय				
तकनीकी बिड खोलने की तिथि	22 दिसम्बर 2016 को 15:00 बजे (आईएसटी)			

निविदा दस्तावेज एअर इंडिया की वेबसाइट www.airindia.in से डाउनलोड किए

₩ OMAXE

OMAXE LIMITED (CIN: L74899HR1989PLC051918) Regd. Office: Shop No.19- B, First Floor Omaxe Celebration Mall. Sohna Road Gurgaon-122001, Harvana

Corp. Office: Omaxe House, 7, LSC, Kalkaii. New Delhi-110019 Tel: +91-11-41896680-85 Fax: +91-11-41896653 Website: www.omaxe.com

Email: secretarial_1@omaxe.com NOTICE

Notice is hereby given pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 and other relevant Regulations of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements Regulations, 2015, that the meeting of Audit Committee and Board of Directors of the Company will be held on Tuesday, the 13th Day of December 2016 at New Delhi, to and approve, inter-alia, the Unaudited Financial Results (Standalone and Consolidated) of the Company for the Quarter and Half year ended 30th September 2016. This notice is also available on Company's website i.e. www.omaxe.com and on websites of the Stock Exchange(s) i.e. www.bseindia.com and www.nseindia.com, where the Shares of the Company are Listed

MAGMA HOUSING FINANCE

मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस पंजी. कार्या : 8 संत नगर, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली–65

चूंकि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभृतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभृति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (यहां के बाद ''उक्त अधिनियम'' के रूप में संदर्भित) के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित घारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुपालन में उक्त निगमित कार्यालय के मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस के प्राधिकृत अधिकारी मौजूदा अधोहस्ताक्षरी ने उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना मूं वर्णित राशि का भुगतान करने के लिए निम्न ऋणियों को बुलाने के लिए 21.07.2016 को भेजी दिनांक 20.07.2016 को

र पर पर पूर्वा जात रहें जा. ऋणी राशि का मुगतान करने में असफल रहे, एतदद्वारा ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों के अनुपालन में नीचे वर्णित संपत्ति पर 30 नवंबर, 2016

विशेष रूप से ऋणी और सर्वसाधारण को एतदद्वारा संपत्ति के साथ लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ किया गय कोई भी लेन–देन राशि और उसपर ब्याज के लिए मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस के प्रभार का विषय होगा।

क्र. सं.	ऋणियों के ना व पते
1.	सुभाष सुमन (ऋणी) व लीला वती (सह—ऋणी)
स्था	न : फरीदाबाद

कुल कवरड क्षेत्र 400 वर्ग फुट हरियाणा व गांव नाथम्म वाले भूतल सहित सेक्टर—21—ए, अर्बन एस्टेट, फुरीदाबाद में स्थित् आवासीय संपत्ति बियरिंग नं. 260—पी, एडी—माप 500 वर्ग यार्ड के सभी भाग व पार्सल

संपत्ति का विवरण

23 जून 16 तक देय रु. 2,00,28,101/— (रुपए दो करोड अठाईस हजार एक सौ एक केवल)

माग सूचना में राशि (रु.)

हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस के लिए

एनएमडीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम) 10–3–311/ए, कैंसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद–500 028, 8710/770, 23538713 से 23538721 एक्स: 270/228/545/228, फैक्स: 23538781/23538711 वैश्विक/खुली ई-निविदा

· 3 · ·								
क्र. सं.	निविदा सं. एवं तिथि	विवरण	मात्रा (संख्या)	निविदा दस्तावेज का प्रदर्शन एवं बिक्री अवधि	प्रस्ताव जमा करने हेतु अंतिम तिथि एवं समय	निविदा शुल्क रु./यूएस\$	धरोहर राशि जमा रु. /यूएस\$	
वैश्विक निविदा								
1	06 Z 003 एवं 06 Z 002 / 263	किरनंडुल कॉम्पलैक्स, बचेली कॉम्पलैक्स (छत्तीसगढ़) और डोनीमलाई कॉम्पलैक्स का कंआईओएम, कनांटक, भारत की 11बी परियोजना के लिए परिचालन व अनुरक्षण सहित मोटर ग्रेंडर @ 01 नं. प्रत्येक		05.12.2016 से 12.01.2017	12.01.2017 अप: 2:30 बजे तक (आईएसटी)	रु. 5725/— यूएस\$ 100/—	रु. 5,00,000 / - यूएस\$ 9000 / -	
खुली निविदा								
2	-15 / 20XN5 / 208 दि. 01.12.2016	बचेली (छत्तीसगढ़) और डोनीमलाई (कर्नाटक) के लिए खाली रील / इम व बैल्ट डिकॉइलर सहित सभी मिकेनिकल, हाइड्रोलिक व इलैक्ट्रीकल उपकरणों व उपस्करों से पूर्ण कन्वेयर बैल्ट वाइंडर एजेम्बली का अभिकल्यन, निर्माण, आपूर्ति व जलायान, श्र्वीष्टनायन व क्रिशानिय।		07.12.2016 से 06.01.2017	06.01.2017 अप. 2:30 बजे तक (आईएसटी)	रु. 5725∕−	₹. 75000/—	

निविदाएं सीधे पुख्यात निर्माताओं से या भारत में उनके मान्यता प्राप्त एजेंटों के माध्यम से वेबसाइट http://www.mstce.commerce.com ानावता ए साथ अर्थनात निर्मालाओं से यो निर्पत ने उनके नोन्यता आपा एजाटा के नाव्यन से वबसाइट http://www.instcecommerce.com eprochome/nmdc द्वारा औनलाइन आर्मित्रत हैं। पूर्ण निविदा वस्तावेज वेबसाइट www.nmdc.co.in के ई—प्रापण संकाम के वहत उपलब्ध हैं। उपरोक्त निविदा में यदि कोई संशोधन होता है तो यह केवल हमारी वेबसाइट www.nmdc.co.in पर अपलोड किया जएगा और कहीं अन्य प्रकाशित नहीं होगा अतः संभावी बोलीदाता निविदा खोले जाने तक एनएमडीसी की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।



मंगलूर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम एवं ओएनजीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी) CIN: 185110KA1988601008959 पंजीकृत कार्यालय: मुडपदव, पोस्ट कुत्तेतूर, वाया काटिपल्ला, मंगलूरु - 575 030 ईमेल : investor@mrpl.co.in वेबसाइट : www.mrpl.co.in



शेयरधारकों हेतु नोटिस निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि को इक्किटी शेयरों के हस्तांतरण

रतहारा.कंपनी अधिनियम, 2013 के साथ पठित 'निवेशक शिक्षा और सरक्षा निधि प्राधिकरण' (लेखा, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण और वापसी) नियमावली . 2016, दिनांक 07.09.2016 से प्रभावीकार्पोरेटकार्यमंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना ("नियम")में दिए गए प्रावधानों के अनुक्रम में यह सूचना

यदि लाभांश के संबंध में शेयरधारक (ओं) द्वारा लगातार सात वर्ष या उससे अधिक समय से लाभांश संबंधी दावा नहीं किया गया है तोअन्य वातों के होते ह भी सभी शेयरों का हस्तांतरण केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा और सरक्षा निधि (आईईपीएफ) को करने हेत उक्त नियम अनुमति प्रदान करता है तदनुसार, उक्त नियमों के तहत आईईपीएफ को हस्तांतरित होने वाले शेयरों के सबंध में कंपनी ने संबंधित शेयरधारकों को उनके द्वारा बताए गए नवीनतम् पते पर व्यक्तिगत रूप से इस बात की सूचना भेजी है । कंपनी ने इस तरह के शेयरधारकों और आईईपीएफ को हस्तांतरण किए जाने वाले शेयरों का ब्यौर अपनी वेबसाइट www.mrpl.co.in पर अपलोड किया है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे कंपनी की वेबसाइट पर 'इन्वेस्टर' पृष्ठ में दी गई सुचना का संदर्भ ग्रहण करें तथा आईईपीएफ को हस्तांतरित किए जाने वाले शेयरों से संबंधित विवरण सत्यापित करने का कष्ट करें।

एतद्वारा सभी संबंधित शेयरधारकों को यह सुचना दी जाती है कि दिनांक 22/12/2016 से पूर्व कंपनी /आरएंडटी एजेंट मैसर्स लिंक इनटाइम को वर्ष 2009-10 के बाद से अप्रदत्त लाभाश का दावा करने हेत विधिवत आवेदन प्रस्तत करें ताकि उक्त शेयर आईईपीएफ को हस्तांतरित नहीं किये जाएं और शेयरधारक वे नाम पंजीकृत जारी रखने हेतु तत्सबंधी कार्रवाई की जा सके।

कृपया नोट करें कि अगर 22/12/2016तक कंपनी या आरएंडटी एजेंट मैसर्स लिंक इनटाइम को संबंधित शेयरघारक द्वारा कोई जवाब प्राप्त नहीं होता है तो कंपनी बिना कोई पूर्वसूचना दिए उक्त शेयर निम्न लिखित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए आईईपीएफ को हस्तांतरण करने के लिए मजबूर होगी -

a. भौतिक रूप में उपलब्ध शेयरों के मामले में -डुप्लीकेट शेयर प्रमाणपत्र जारी करते हुए आईईपीएफ प्राधिकारी को हस्तांतरित करना।

b. डीमैट मोड में उपलब्ध शेयरों के मामले में - डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ समन्वय करते हुए आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में सीघे शेयरों के

कृपया इस बात को नोट करें कि निर्धारित नियमों के तहत संबंधित प्रक्रिया का पालन करते हुए लाभांश एवं अन्य लाभों सहित आईईपीएफ को हस्तांतरित . शेयरों, यदि कोई हो, के संबंध में आईईपीएफ प्राधिकरण से दावा किया जा सकता है।

उपर्युक्त मामले के संबंध में किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण हेतु कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट मैसर्स लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सी-13 पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउंड, एलबीएस मार्ग,भांडुप (पश्चिम), मुंबई - 400 078 **(ईमेल: lepf.shares@linkintime.co.in) , फ़ोन: 022 - 25946970** से संपर्क किया जा सकता है।

तारीख: 2 दिसंबर, 2016 पंजीकृत कार्याल मंगलूरु 575030

कृते मंगलूर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड **ह./-**दिनेश मिश्रा **(कंपनी सचिव)**

आईए मिलकर स्वच्छ भारत बनाएं

स्टेट बेंक ऑफ परियाला पीसीएफ बिल्डिंग, 32, स्टेशन रोड, लखनऊ

आधिपत्य नोटिस नियम 8(1)

पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की घारा 13(2) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 की संपर्वित नियम । एवं 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्न ऋणगृहिताओं से मांग करते हुए मांग सूचना पत्र निम्न दिनांकित से 60 दिन के भीतर देय राशि एवं ब्याज और पेनल ब्याज एवं विधिक शुल्क, सूचना पत्र में उल्लिखित राशि को लौटाने के लिए निर्गमित किया। ऋणगहिताओं के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणगहिताओं / बन्धककर्ताओं और सर्वसाधारण को एतददार सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) संपठित उक्त नियम के नियम 8 और 9 के तहर उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक अधिपत्य नीचे अंकित तिथिओं को ग्रहण कर लिया है। ऋणगृहिताओं को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतदद्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहा (क्रय–विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय–विक्रय स्टेट बैंक ऑफ पटियाल

को	को देय राशि एव उस पर ब्याज एव अन्य खर्च के अधीन होगा।					
豖.	उधारकर्ता का नाम /	बंधक (चल / अचल) सम्पत्ति का विवरण	डिमाण्ड नोटिस की तिथि			
सं.	जमानतकर्ता का नाम /	(परिसम्पत्ति से सम्बन्धित सभी भाग व एवं हिस्सों	कब्जा नोटिस की तिथि			
	शाखा का नाम	सहित)	बकाया धनराशि (रू०)			
1.		आवासीय प्लाट जोकि श्री मो. आलम के नाम है कुल क्षे. 599 वर्गफीट स्थित खसरा नं. 450 एवं 451—एम, मोहल्ला माहीगिरन, रूड़की जिला हरिद्वार जो कि बही नं. 1, जिल्द नं. 2659/2830 पृष्ठ 103/329—332 क्रसं. 1287 दिनांक 25.02.2004 को उपनिबंधक रूड़की में पंजीकृत है। चौहददी—उत्तर	19.09.2016 30.11.2016 रू. 3,59,676.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे			
	शाखाः रूड़की	प्लाट श्री कारी जाहिद, दक्षिण—प्लाट श्री हसरत, पूरब—रोड 10फीट चौड़ी पश्चिम—प्लाट श्री जगदीश।				
2.	श्रीमती मुनेश सैनी एवं श्री रिवन्दर सैनी जमानतकर्ता—ओमपाल सिंह। खाता H/L 65007710851 शाखा: रुड़की	आवासीय मकान माप पू. 28फीट परि. 22फीट 8इंच उ. 28फीट 9इंच द. 34 फीट कुल क्षे. 797वर्गफीट जोकि श्रीमती मुनेश सैनी के नाम है स्थित खसरा नं. 15, सफीपुर, परगना एव तहसील रूड़की जिला हरिद्वार जोकि वही नं. 1 जिन्द नं. 2029 / 2472 क्रसं. 1146 दिनांक 22.03.1998 को उपनिबंधक रूड़की में पंजीकृत है। चौहददी—उत्तर—रास्ता 16फीट चौड़ा, दक्षिण—प्लाट श्री सहदेव सिंह रावत, पूरब—प्लाट श्रीमती माधुरी, पश्चिम—प्लाट श्री राम गोपाल वर्मा।	19.09.2016 30.11.2016 रू. 7,36,795.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे			
3.	श्री राम कुमार पुत्र श्री केशूराम एवं श्रीमती कषा पत्नी श्री राम कुमार जमानतकर्ता – नफीस अहमद पुत्र नूर अहमद खाता H/L65185349682 शाखा प्रेमपुरी मुजफ्फरनगर	सम्पत्ति मालिक श्री राम कुमार पुत्र श्री केशूराम एवं श्रीमती ऊषा पत्नी श्री राम कुमार । मकान न. 376 / 1, मोहल्ला कृष्णापुरी, मुजफ्फरनगर जोकि कार्यात्वय उपनिबंधक मुजफ्फरनगर में बही नं. 1 जिल्द नं. 4681 पृष्ठ 309 सं 324 क.सं. 4918 दिनांक 04.05.2012 को पंजीकृत है। चौहददी—उत्तर-अवण कुमार का खुला प्लाट, दक्षिण—4फुट चौड़ी रोड पूर्ब—19फुट चौड़ी रोड, पश्चिम—श्री राम कुमार का मकान। क्षे 40.33 वर्ग यार्ड।	18.09.2016 30.11.2016 रू. 4,05,902.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे			
4.	रामा भारद्वाज खाता H/L65231868539 शाखा हापुड़	मकान नं. ए/594 आवास विकास कालोनी, संजय विहार, मेरठ रोड, हापुड (बही नं. 1 जिल्द नं. 6862 पृष्ठ 1/19, क्र सं. 12729 दिनांक 13.10.2010) चौहददी– पूरब– प्लाट नं. ए/595, पश्चिम–प्लाट नं. ए/593, उत्तर–6फुट रोड, दक्षिण– अन्य सम्पत्ति। क्षे. 35.67 वर्गमी	2 9. 09.2016 01.12.2016 रू. 9,84,651.08 + ब्याज एवं अन्य खर्चे			
दिनांकः 03.12.2016 स्थानः अचंल कार्यालय, लखनऊ ह०/- प्राधिकृत अधिकारी, स्टेट बँक ऑफ पटियाला						

टोल बंदी के 23 दिन बाद अब फिर से शुरू हो रही है सड़कों पर टोल वसूली

टोल वसूली में झोल का खटका!

मुंबई, 2 दिसंबर

•टबंदी और 23 दिन की छट के बाद देश भर में मध्य रात्रि से नियमित टोल वसुली शुरू हो रही है। सडक ऑपरेटरों को अब सस्त आर्थिक गतिविधियों के कारण यातायात की कमी और कम टोल संग्रह की समस्या से जझना पड सकता है।

सडक ऑपरेटरों को उम्मीद है कि उन्हें 23 दिन की छूट की अवधि का मुआवजा मिलेगा। बहरहाल 3 दिसंबर के बाद से सडक ऑपरेटरों का बही खाता बिगड सकता है, जिनमें से कुछ पहले से ही बुरी स्थिति में चल रहे हैं। मार्च तिमाही में आवाजाही कम होने से सड़क ऑपरेटरों का राजस्व प्रभावित हो सकता है। हालांकि ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीद की जा रही है, जिससे इसका असर थोडा कम हो सकता

सद्भाव इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक वशिष्ठ पटेल ने कहा. '23 दिन की छट के दौरान हमारे वाणिज्यिक वाहनों की संख्या में गिरावट नहीं देखी गई है। लेकिन यह कहना कठिन है कि ऐसा टोल मुक्ति की वजह से हुआ। एक बार जब हम फिर से टोल संग्रह शरू कर देंगे तो यह साफ हो सकेगा कि इसका क्या असर रहा।

देश में टोल की रिथति

विव 2013 विव 2014 विव 2015 विव 2016 टोल संग्रह में बढ़ोतरी 10.12 5.47 9.85 10.31 यातायात वृद्धि दर 0.20 4.00 10.10 - आंकडे प्रतिशत में

- २४ परियोजनाओं पर लिए गए नमूनों के आधार पर इक्रा का अनुमान

गैमन इन्फ्रास्टक्चर प्रोजेक्टस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक केके मोहंती जैसे लोग भी हैं, जिनका मानना है कि छट वापस लिए जाने के बाद आवाजाही कम होगी। मोहंती ने कहा, 'लेकिन नोटबंदी की वजह से दीर्घावधि के हिसाब से आर्थिक गतिविधियों व वाहनों की आवाजाही में बढोतरी होगी और घाटे की भरपाई हो जाएगी।'

विश्लेषकों का मानना है कि आवाजाही की संख्या और टोल संग्रह में गिरावट आएगी, क्योंकि देश भर में आर्थिक गतिविधियां सुस्त पड गई हैं। इक्रा रेटिंग के उपाध्यक्ष शुभम जैन ने कहा, 'टोल रोड परियोजनाओं की असल चुनौती छूट के बाद सामने आएघी। छूट की अवधि बीतने के बाद आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर आने में अभी वक्त लगेगा। इस दौरान आवाजाही कम रहेगी और टोल रोड ऑपरेटरों के नुकसान की भरपाई होने की संभावना कम है।' सुस्त आर्थिक गतिविधियों में मार्च तिमाही में राजस्व प्रभावित होगा. लेकिन अगर ब्याज दरें कम होती हैं तो इसकी कुछ भरपाई उस तरफ से हो सकती है।

केयर रेटिंग के वरिष्ठ प्रबंधक

मौलेश देसाई ने कहा. 'उम्मीद

की जा रही है कि ब्याज दरें कम होंगी। इसकी वजह से नोटबंदी को लेकर मध्यावधि के हिसाब से असर रहेगा, लेकिन ब्याज की दरें कम होने पर कर्ज की लागत में कमी आएगी और उसकी भरपाई दीर्घावधि के हिसाब से हो सकती है।' हालांकि यहां भी सावधानी बरतने की वजह है। जैन ने कहा, 'ऐसी टोल रोड, जिनकी टोल दरें कम आवाजाही की दर के बजाय डब्ल्यूपीआई से जुड़ी हुई हैं, उन्हें समस्या का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि डब्ल्यूपीआई कम होने से टोल दरें कम रहेंगी या उनमें कोई बढोतरी नहीं होगी। बहरहाल एन्युटी परियोजनाओं में कुछ राज्य राजमार्गों की दरें फिर से पारिभाषित की गई हैं, उन्हें ब्याज दर कम होने का लाभ होगा।'

कुछ विश्लेषकों और कंपनियों का कहना है कि यातायात की मात्रा पर सटीक असर का अनुमान लगाना कठिन है। बहरहाल यातायात की वृद्धि दर देश की जीडीपी की वृद्धिं दर से जुडी होती है। तमाम रेटिंग एजेंसियों ने अनुमान लगाया है कि देश की जीडीपी वृद्धि दर 100 आधार अंक तक प्रभावित होगी।

भारत में सड़क ऑपरेटरों के लिए यातायात वृद्धि दर पहले से ही दबाव में है। चाल वित्त वर्ष की पहली छमाही में लंबे चले मॉनसन सहित विभिन्न आर्थिक वजहों से वाहनों की संख्या में कमी आई है। क्रिसिल रेटिंग की निदेशक सुष्मिता मजूमदार ने कहा, 'वित्त वर्ष 2016-17 में नवंबर 2016 तक ट्रैफिक की वृद्धि दर (नोटबंदी के पहले) करीब 10 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2015-16 में वृद्धि 13 प्रतिशत थी।' टोल से कुल राजस्व संग्रह में माल दुलाई वाले वाहनों की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत से ज्यादा है।

कर अधिकारियों के घट सकते हैं विवेकाधीन अधिकार

काले धन की अर्थव्यवस्था के खिलाफ अपना घेरा और कसते हए सरकार कर अधिकारियों के विवेकाधीन अधिकारों में कटौती कर सकती है। नीति आयोग के चेयरमैन अरविंद पानगडिया ने कहा कि कर चोरी में देनदारी तय करने के मामले में अधिकारियों के अधिकारों में कटौती की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि बेहिसाबी धन के खिलाफ जारी कार्रवाई के बीच 'बक में' संपत्ति सौदों में इजाफा हो सकता है। ऐसे में रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए स्टांप शुल्क में भी कटौती हो सकती है।

पानगडिया ने एक निजी टीवी चैनल से साक्षात्कार में कहा, 'इसके साथ ही हमें पीछे चलकर कर सुधारों के पूरे सेट के बारे में गंभीरता से विचार करना होगा। इससे सरलीकरण तथा परिभाषा में सरलता आएी। इससे इस मामले में कर अधिकारियों के विवेकाधीन अधिकार या तो पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे या उनमें कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि जब कर अधिकारियों के पास अधिक विवेकाधीन अधिकार होते हैं तो काफी कर अपवंचना होती है। ऐसे में हमें इसे सरल करने की जरूरत है। पानगडिया ने कहा कि सरलीकरण का मतलब है कि कर छुटों को समाप्त करना। इसके अतिरिक्त हमें स्थिति को बेहतर तरीके से परिभाषित करने की जरूरत है।

कच्चे तेल के दाम ने बढ़ाई चिंता

शुभायन चक्रवर्ती नई दिल्ली. 2 दिसंबर

पिछले 2 दिनों में कच्चे तेल के वैश्विक दाम में तेज बढोतरी हुई है। ऐसे में भारत का तेल उद्योग फिलहाल 'देखो और इंतजार करो ' की नीति अपना रहा है।

अमेरिकी निवेशक और जाने माने जिंस विशेषज्ञ जिम रोजर्स ने अनुमान लगाया था कि आपूर्ति कम होने और वैश्विक मांग बढ़ने से कच्चे तेल के दाम जल्द ही 60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो भारत का आयात खर्च बढेगा। बुधवार को ओपेक के 14 बड़े तेल निर्यातकों ने उत्पादन में धीरे धीरे कमी करने की घोषणा की है।

कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। पेटोलियम मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता - निर्भरता 80 प्रतिशत है। भारत चलता है कि भारतीय बास्केट के का 2015-16 में कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दाम आयात पर कुल खर्च 65.92 के 45.83 डॉलर प्रति बैरल की डॉलर रहा था।

तुलना में तेज बढोतरी है। पेट्रोलियम फेडरेशन आफ

इंडिया के महानिदेशक आरके मल्होत्रा ने कहा, 'ओपेक के सदस्य देशों के फैसले का तत्काल प्रभाव कच्चे तेल के दाम पर दिख रहा है। बहरहाल अभी इस पर नजर रखने की जरूरत है, क्योंकि वेनेजुएला और इक्वाडोर जैसे देश राजस्व के संकट से जूझ रहे हैं और वे बहुत ज्यादा दिन तक रुके नहीं रह संकते।' मल्होत्रा ने कहा कि कीमतों में यह तेजी मौजुदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए चिंता का विषय नहीं है। बहरहाल उद्योग जगत के

लोग नाम न दिए जाने की शर्त पर बता रहे हैं कि अगर कीमतें 54 डॉलर के स्तर से ऊपर जाती हैं तो यह देश के लिए गंभीर होगा। भारत की तेल आयात पर 1 दिसंबर को 50.27 डॉलर प्रति अरब डॉलर रहा। 2013-14 में बैरल हो गए , जो एक दिन पहले आयात खर्च 143.63 अरब

ज्देंगे तेल उद्योग के दिग्गज

दिल्ली में पहली बार 12वां पेट्रोटेक सम्मेलन अगले सप्ताह

ज्योति मुकुल नई दिल्ली, 2 दिसंबर

पेटोलियम निर्यातक देशों के उत्पादन में कटौती करने के फैसले के बाद अगले सप्ताह बारहवां पेटोटेक सम्मेलन हो रहा है। इसका आयोजन पहली बार दिल्ली में किया जा रहा है। इसमें विश्व के तेल उद्योग से जुड़े दिग्गज भाग लेंगे। कच्चे तेल की कमजोर कीमतों के कारण तेल उत्पादन कंपनियों पर दबाव के बावजूद ईरान के विरोध के कारण उत्पादन में कटौती का फैसला नहीं हो पा रहा था। पहली बार सऊदी अरब जैसे देश को भी राजकोषीय उधारी का इंतजाम करना पड़ा है।

इस साल जनवरी में आर्थिक प्रतिबंध हटने के बाद से ईरान की अर्थव्यवस्था सुधार की ओर है। लाख बैरल की कटौती करने का फैसला किया है। 8 साल बाद

परिणाम संख्या 2677

उत्पादन सीमा 3.25 करोड बैरल प्रतिदिन के स्तर पर रखेंगे।

रूस के ऊर्जा मंत्री अलेक्लांद्र नोवाक ने बुधवार को कहा था कि उनका देश भी जल्द ही ओपेक की कवायदों के साथ जुड़ जाएगा और वह जनवरी और उसके बाद से तेल का

उत्पादन 3,00,000 बैरल रोजाना तक करने को तैयार है। खबरों के मुताबिक सऊदी अरब और ईरान के बीच मध्यस्थता करने में रूस अहम भूमिका निभा रहा है। ईरान को अपना उत्पादन बढाने की अनुमति दी गई है।

दाम में कटौती की वजह से तेल एवं प्राकृतिक गैस पहली बार ओपेक के देश अपनी कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान फायदा होगा।'

पेटोलियम कॉर्पोरेशन को अपने घाटे की भरपाई करने में मदद मिली है। वैश्विक दाम कम होने से सरकार को भी डीजल के मुल्य को नियंत्रण के दायरे से बाहर करने और रसोई

गैस और केरोसिन के दाम हर महीने

बढ़ाकर बाजार भाव के करीब लाने में मदद मिली है। डीजल, केरोसिन और एलपीजी की बिक्री से 2012-13 में घाटा बढकर 1,61,029 करोड रुपये हो गया था, जो ८३ प्रतिशत कद्ये तेल गिरकर अब 27,571 करोड़ रुपये रह गया है।

पर चर्चा इक्रा के कॉर्पोरेट सेक्टर

रेटिंग के प्रमुख और वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रिवनचंद्रन ने कहा. 'अपस्टीम सार्वजनिक उपक्रमों 2014 के मध्य से कच्चे तेल के (ओएनजीसी, ओआईएल) को कच्चे तेल का दाम बढने से फायदा बुधवार को हुई बैठक में ओपेक (ओएनजीसी) ऑयल इंडिया, हो सकता है, हालांकि मौजूदा के 13 सदस्य देशों ने अगले साल केयर्न इंडिया और यहां तक कि सब्सिडी शेयरिंग फॉर्मूले से उन्हें जनवरी से उत्पादन में प्रतिदिन 12 रिलायंस इंडस्ट्रीज पर भी असर ज्यादा लाभ नहीं होगा। निजी पड़ा है। हालांकि इससे इंडियन कच्चा तेल उत्पादकों को कच्चे तेल ऑयल कॉर्पीरेशन, भारत पेटोलियम के दाम में बढोतरी का सीधा

बीएस सूडोकू 2678

6 4 4 8 8 1 4 5 2 9 2 6 8 5 कैसे खेलें? 3 हर रो. कॉलम और 6 4 3 बाई 3 के बॉक्स

में एक से लेकर नौ

तक की संख्या भरें।

दिल्ली

जेनरल इलेक्ट्रिक (जीई) उत्तर

वीरेंद्र सिंह रावत

लखनऊ, 2 दिसंबर

प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के रोजा में लोकोमोटिव रखरखाव इकाई स्थापित कर रही है। इस इकाई का तकनीकी नाम मेंटीनेंस शेड दिया गया है, जो भारत की उन दो इकाइयों में से एक है, जहां जीई के बिहार के मढ़ौरा संयंत्र स्थित डीजल लोकोमोटिव फैक्टरी से तैयार किए गए इंजनों के रखरखाव का काम होगा। रोजा इकाई का कुल क्षेत्रफल

करीब 2 लाख वर्गफुट है। इसके अगले साल तक तैयार होने की संभावना है। जीई टांसपोर्टेशन ऐंड

यूपी में संयंत्र लगा रही जीई एविएशन (दक्षिण एशिया के अध्यक्ष और सीईओ नलिन जैन ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि अन्य रखरखाव इकाई गुजरात में

बन रही है। बिहार के मुख्य संयंत्र और उत्तर प्रदेश व गुजरात में स्थित रखरखाव इकाइयों पर जीई करीब 1,200 करोड रुपये निवेश कर रही है। जैन ने कहा कि जीई मोटर और जेनरेटर जैसे कुछ महत्त्वपूर्ण पुर्जे उत्तर प्रदेश की निजी कंपनियों से ले रही है, जिसका इस्तेमाल डीजल लोकोमोटिव में किया जाएगा। अमेरिकी कंपनी ने लोकोमोटिव के विनिर्माण का 70 प्रतिशत स्थानीयकरण करने का वादा किया है।

क्षेत्रीय मंडियों के भाव

2

बंद भाव रूपये प्रति क्विंटल

अनाज : गेहूं म.प्र. (देशी) 2750-3250 रुपये, गेहं दडा (मिल के लिए) 2080-2085 रुपये, चक्की आटा (डिलीवरी) २०९५-२१०० रुपये, प्रति ९० किलो। आटा राजधानी (१० किग्रा) ३०० रुपये, शक्तिभोग (१० किग्रा) ३०० रूपये, रोलर फ्लोर मिल 1145-1150 रुपये (५० किग्रा), मैदा १२००-१२१० रूपये (५० किग्रा) और सूजी १२७०-१२७५ रुपये (५० किग्रा)। बासमती चावल (लाल किला) 10,700 रुपये, श्रीलाल महल 11,300 रुपये, सूपर बासमती चावल ९,७०० रूपये, बासमती कॉमन नई ५९००-६००० रुपये, चावल पूसा (1121) ४७००-५९०० रुपये, परमल कच्चा २,०५०-२,०७५ रूपये, परमल वैन्ड 2,150-2,200 रुपये, सेला 2,800-२,९०० रुपये और चावल आईआर-आठ 1,850-1,860 रुपये, बाजरा 1470-

1850 रुपये, सफेद 3,500-3,700 रुपये, मक्का १५७०-५१८० रुपये, जौ

1,790-1,800 रुपये।

4

दलहन : उड़द ६७००-७७०० रूपये, उड़द छिलका (स्थानीय) ७०००-७१०० रुपये, बेहतरीन ७१००-७६०० रूपये, धोया 7500-7800 रुपये, मूंग 5100-5300 रुपये, दाल मूंग छिलका (स्थानीय)5,600-5,800 रुपये, मूंग धोया स्थानीय ६,२००-६,७०० रूपये और बेहतरीन क्वालिटी ६,७००-६,९०० रूपये। मसर छोटी ५१५०-५३०० रुपये, बोल्ड ५२००-५३५० रुपये, दाल मसूर स्थानीय ५६००-६१०० रुपये, बेहतरीन क्वालिटी ५७०-६२०० रुपये, मलका स्थानीय 6,300-6,500 रुपये, बेहतरीन 6,400-6,600 रुपये, मोठ 3600-4000 रुपये, अरहर ६,०५० रुपये, दाल अरहर दड़ा 7900-9700 रुपये। चना 9000-9400 रुपये, चना दाल (स्थानीय) 9800-

10,100 रुपये, बेहतरीन क्वालिटी 10,200-10,300 रुपये, बेसन (35 किग्रा) शक्तिभोग ४४०० रुपये, राजधानी ४४०० रुपये. राजमा चित्रा

6,500-9000 रुपये, काबुली चना छोटी

उत्तर प्रदेश

9500-10,000 रुपये, डाबरा 2,700-2,800 रुपये, आयातित 4,700-5,100 रुपये, लोबिया 5,400-5,600 रुपये, मटर सफेद २,७००-२,७२५ रुपये कानपर गेहूं 1900/1910, जौ 1740/1750, चावल मसूरी २१००/२१५०, चावल मोटा

1950/2000, सरसों 4350/4400, तिल सफेद ६४००/६५००, सोया (टीन) १०३०/१०४०, तेल सरसों कच्ची घानी वैट पेड (टीन) 1370/1410, सरसों खल 2400/2420, पामोलिन 1100/1110, वनस्पति घी (यूपी एफओआर) 1120/1140, अलसी खल 3300/3400, लखनऊ

अनाज एवं दाल-दलहनः गेहूं दड़ा

राजस्थान 2000/2010, गेहूं शरबती 2950/3050, चावल सेला शरबती २९००/३१००,

2100/2150, चंदोसी

(प्रति किलो): मैन्था ऑयल 985, बोल्ड क्रिस्टल (१२ नं.) ११२५, फ्लैक १०७५, डीएमओ ७५०, टरपीन लैस बोल्ड ११७० मजफ्फरनगर

लालमती २४००/२५००, चावल (सोना)

गुड़ (40 किलो): चाकू 1100/1210, खुरपा १०५०/११२०, लड्डू ११५०/१२००, रसकट ९८०, शक्कर ११५०/११६०, चीनी मिल डिली. (क्विं.) (उत्पादन कर सहित)ः शामली ३६९५, टिकोला ३७७५, अफजलगढ़ ३७००, धामपुर ३६८०, चीनी हाजिर 3800/3900

गुड़-चीनीः चीनी हाजिर 3800/3900, गुड़ (प्रति क्विं.) बाल्टी २५००/२६००, तिलहनः सरसों (४२ प्रतिशत कंडी.) ४७००, खलः बिनौला 2500/2600,

2350/2450, चना छिलका 2600/2700, चोकर मोटा (३४ किलो) ६३० जयपर

अनाजः चावल डीबी ४८००/४९००, गेहूं (मिल) 2000/2020,

१५६५/१५७५, बाजरा १४४०/१४५०, जो १७७५, ग्वार लूज ३२५०/३३००, ज्वार कैटलफीड 2350/2450, ज्वार बेस्ट क्वालिटी ३४००/३४२५, तेल-तिलहनः सरसों ४९००, सरसों एक्सपेलर निवाई 8300, कोल्ह्र कच्ची घानी टोंक 9400, बिनौला खल जयपुर 2850/2900, आदिलाबाद 2800/2825, खामगांव 2840/2900, खंडवा 2830/2840, डीओसी (टन)ः सरसों जयपुर १९०००, कोटा १९०००, अलवर १९०००, निवाई

सक्की

श्रीगंगानगर

गेहं (पैड) २०००/२०३०, ग्वार (ढेरी) 3300, जौ (पेड) 1800/1820, सरसों लज 4200/4225